epaper
हिन्दुस्तान

प्रधानमंत्री ने कहा- साइबर सुरक्षा प्रणाली अब सीमित नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी

चौंका देती है स्वदेशी रक्षा प्रणाली:मोदी

नई दिल्ली में शुक्रवार को रक्षा में आत्मनिर्भरता, कॉल टू एक्शन विषय पर वेबिनार को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

26/02/2022

नई दिल्ली | एजेंसी

संबोधन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा कि स्वदेशी रक्षा प्रणालियों में अनोखेपन और विशिष्टता का बहुत महत्व होता है। इनमें दुश्मनों को सहसा चौंका देने वाली क्षमता होती है। मगर, यह तभी संभव है, जब रक्षा प्रणाली को अपने देश में ही विकसित किया जाए। उन्होंने साइबर जगत की चुनौतियों का भी उल्लेख किया और कहा कि साइबर सुरक्षा अब सिर्फ डिजिटल दुनिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र की सुरक्षा का विषय बन चुकी है।

प्रधानमंत्री शुक्रवार को आम बजट-2022 में रक्षा क्षेत्र के लिए किए गए प्रावधानों को लेकर रक्षा में आत्मनिर्भरता, कॉल टू एक्शन विषय पर आयोजित वेबिनार में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विदेश से हथियार खरीदने की प्रक्रिया बहुत लंबी है, जिसकी वजह से ये हथियार भी समय की मांग के अनुकूल नहीं रहते। साथ ही विदेश से रक्षा खरीद में भ्रष्टाचार व अन्य तरह के विवाद भी होते हैं। ऐसे में इसका समाधान आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया में ही निहित है। मोदी ने कहा कि हथियारों और उपकरणों के मामलों में जवानों के गौरव व उनकी भावना को भी ध्यान में रखने की जरूरत है। यह तभी संभव होगा, जब हम इन क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनेंगे।

रक्षा बजट का 70 फीसदी घरेलू उद्योगों के लिए : प्रधानमंत्री ने कहा कि आम बजट में रक्षा के लिए आवंटित राशि में से 70 प्रतिशत राशि घरेलू उद्योगों के लिए रखे जाने का प्रावधान किया गया है। बीते कुछ वर्षों से भारत अपने रक्षा क्षेत्र में जिस आत्मनिर्भरता पर बल दे रहा है, उसकी प्रतिबद्धता इस बार के बजट में भी दिखी है।

इस बजट में देश के भीतर रक्षा शोध और डिजाइन से लेकर निर्माण तक की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रावधान किए गए हैं।

54 हजार करोड़ रुपये के स्वदेशी रक्षा उपकरण खरीदें जाएंगे: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि रक्षा मंत्रालय ने अब तक 200 से अधिक रक्षा प्लेटफॉर्म और उपकरणों की स्वदेशीकरण सूचियां जारी की हैं। इसके बाद स्वदेशी खरीद के लिए 54 हजार करोड़ रुपये की संविदाओं पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। इसके अलावा 4.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक धनराशि की उपकरण खरीद प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है।

विदेश से हथियार खरीदने की प्रक्रिया बहुत लंबी है। साथ ही विदेश से रक्षा खरीद में भ्रष्टाचार व अन्य तरह के विवाद भी होते हैं। ऐसे में इसका समाधान 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' में ही निहित है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रावधानों पर आज करेंगे संबोधन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को आम बजट-2022 में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए किए गए प्रावधानों पर आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करेंगे। इस वेबिनार में तीन सत्र रखे गए हैं। इनमें आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, ई संजीवनी और टेलीमेंटल स्वास्थ्य कार्यक्रम शामिल हैं।

बयान के मुताबिक, इस वेबिनार का उद्देश्य स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार की ओर से उठाए गए कदमों को आगे बढ़ाने में विभिन्न हितधारकों को शामिल करना है।

द्वितीय विश्वयुद्ध में भारतीय हथियारों की बड़ी भूमिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वेबिनार में कहा कि आजादी से पहले और उसके बाद भी भारत की रक्षा निर्माण की ताकत काफी ज्यादा थी। द्वितीय विश्वयुद्ध में भारत में बने हथियारों ने बड़ी भूमिका निभाई थी।

हालांकि, बाद के वर्षों में हमारी यह ताकत कमजोर होती चली गई। मगर, देश अपनी इस क्षमता का विस्तार करने के लिए अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साइबर सुरक्षा का जिक्र करते हुए कहा कि अपनी अदम्य सूचना प्रौद्योगिकी शक्ति को हम अपने रक्षा क्षेत्र में जितना ज्यादा इस्तेमाल करेंगे, उतनी ही अधिक सुरक्षा के प्रति हम आश्वस्त होंगे।

रक्षा निर्यात छह गुना बढ़ा

मोदी ने कहा कि भारत अब इस स्थिति में पहुंच गया है कि रक्षा प्रणाली का निर्यात भी किया जा रहा है। पिछले पांच-छह वर्षों में रक्षा निर्यात में छह गुना वृद्धि हुई है। आज भारत 75 से भी ज्यादा देशों को मेड इन इंडिया रक्षा उपकरण और सेवाएं मुहैया करा रहा है।

सरकार ने पिछले सात वर्षों में रक्षा निर्माण के लिए 350 से भी अधिक नए औद्योगिक लाइसेंस जारी किए हैं।